Business Line, Delhi, 23/04/2026
Page No: 3, Size: 31.91cm × 16.51cm

# GAIL to expand LNG supply chain with US

**Rishi Ranjan Kala**
New Delhi

State-run GAIL (India) is moving ahead on the strategy to create a robust liquefied natural gas (LNG) supply chain from the US — the world's largest LNG exporter.

On Wednesday, the country's largest gas utility said that an LNG tanker — *Energy Fidelity* — had been flagged-off from the Sabine Pass LNG Terminal in the US.

This follows the Maharatna company signing a long-term charter party agreement earlier this month with Greek shipping firm Alpha Gas for the vessel.

The development is part of India's strategy to establish a LNG supply chain, which was emphasised by Prime Minister Narendra Modi at the India Energy Week 2026 in January.

He stressed on developing strategies across the LNG value chain in view of India's rising natural gas demand.

At the IEW 2026, GAIL also signed a term sheet for equity participation in a ship-owning company established in Singapore with Kawasaki Kisen Kaisha (K LINE) and JM Baxi Marine Services.

Besides, it entered into a long-term charter agreement with Mitsui OSK Lines for an LNG carrier — *Gail Bhuwan*.

These developments also highlight India's efforts to develop a strategy to compensate for lost LNG cargoes from West Asia.

**An LNG tanker — *Energy Fidelity* — has been flagged-off from the Sabine Pass LNG Terminal in the US**

The conflict, which has led to attacks on oil and gas infrastructure in the region including on LNG facilities in Qatar that supplies around 47 per cent of India's natural gas requirement. This has already forced New Delhi to scout for the commodity from the US to Australia.

The world's fourth largest LNG importer has already diversified its procurement sources from 15 to 30 and is focusing on increasing domestic gas production.

Establishing supply chains with Washington helps India in arranging for lost LNG volumes from Qatar, while also enhancing its energy purchases from the US to make up for trade imbalances.

Besides, the US is expected to continue to hold the top spot in 2026 and 2027, considering the redevelopment of damaged gas infrastructure in Qatar will take around three-five years to build.

**ENERGY FIDELITY**

"On April 20, 2026, the Consulate General of India, Houston, Manjunath Chenneerappa, flagged off the LNG vessel *Energy Fidelity* from the Sabine Pass LNG Terminal, demonstrating a commitment to securing reliable and sustainable fuel sources," GAIL said on LinkedIn.

With a cargo capacity of 1,74,000 cubic meters, *Energy Fidelity* is equipped with a state-of-the-art two-stroke propulsion system, complemented by advanced air lubrication technology and shaft generators, collectively enhancing fuel efficiency and significantly reducing emissions.

"As India continues to transition towards a cleaner energy future, such strategic initiatives play a vital role in energizing progress and driving sustainable growth," GAIL noted.

Financial Express, Delhi, 23/04/2026
Page No: 2, Size: 5.53cm × 6.80cm

# GAIL vessel with LNG flagged off from US

GAIL (INDIA) HAS said its LNG carrier 'Energy Fidelity' was flagged off from the US, and the vessel is expected to ensure a resilient supply of cleaner fuel. The vessel has a carrying capacity of 174,000 cubic metre.

FE BUREAU & AGENCIES

Free Press Journal, Mumbai, 23/04/2026
Page No: 10, Size: 14.16cm × 15.32cm

# GAIL says its LNG vessel flagged off from US

**PTI**
NEW DELHI

State-owned natural gas major GAIL (India) Ltd has announced that its liquefied natural gas (LNG) carrier, 'Energy Fidelity', has been flagged off from the Sabine Pass terminal in the US. The vessel is expected to bolster India's energy security by ensuring a resilient supply chain of cleaner fuel.

The vessel, which has a carrying capacity of 174,000 cubic metres (cbm), was flagged off on April 20 and is currently en route to India. The ceremony was presided over by India's Consul General in Houston, DC Manjunath, GAIL said in a statement.

"This ceremony symbolises the robust and growing India-US energy partnership, a relationship built on shared priorities of reliability, innovation and long-term security," Manjunath said. He emphasised that the flag-off aligns with India's focus on the "3Ts" — Trade, Technology and Tourism — reflecting a partnership anchored in mutual trust. Energy Fidelity is a centrepiece of GAIL's future-ready shipping portfolio.

Dainik Jagran, Delhi, 23/04/2026
Page No: 9, Size: 41.78cm × 37.81cm

# गेल इंडिया का टैंकर 1 लाख 74 हजार टन एलएनजी लेकर अमेरिका से आ रहा भारत

## ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्य दूत ने 20 अप्रैल को 'एनर्जी फिडेलिटी' को किया था रवाना

**ह्यूस्टन, प्रेट्र :** सार्वजनिक क्षेत्र की प्राकृतिक गैस कंपनी गेल इंडिया लिमिटेड का एलएनजी टैंकर 'एनर्जी फिडेलिटी' अमेरिका के साबाइन पास टर्मिनल से रवाना हो गया है। यह पोत 1,74,000 टन एलएनजी लेकर आ रहा है। उधर, इराक से 97,422 टन कच्चा तेल लेकर आ रहा 'देश गरिमा' पोत भी होर्मुज को सुरक्षित पार करके जल्द मुंबई पोर्ट पर पहुंचने वाला है।

गेल ने बयान में कहा कि ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्य दूत डीसी मंजूनाथ ने एक समारोह के दौरान 20 अप्रैल को इसे रवाना किया और अब यह पोत भारत की ओर बढ़ रहा है। मंजूनाथ ने कहा- 'समारोह भारत-अमेरिका ऊर्जा साझेदारी के मजबूत और बढ़ते संबंध का प्रतीक है।'

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इसका रवाना होना भारत के 3टी- ट्रेड (व्यापार), टेक्नोलाजी (प्रौद्योगिकी) और टूरिज्म (पर्यटन) पर केंद्रित दृष्टिकोण के अनुरूप है जो ऊर्जा सुरक्षा के साझा लक्ष्यों एवं आपसी विश्वास पर आधारित गहराते सहयोग को दर्शाता है।

देश गरिमा जहाज भी जल्द भारत पहुंचने वाला है ● इंटरनेट मीडिया

### जहाजों की निकासी के लिए ईरान को नहीं किया भुगतान : भारत

भारत ने इस बात से साफ इन्कार किया कि होर्मुज स्ट्रेट से अपने जहाजों को सुरक्षित पार कराने के लिए उसने ईरान को नकद या क्रिप्टोकरेंसी में कोई भुगतान किया है। स्पष्टीकरण उस घटना के बाद आया है, जिसमें 18 अप्रैल को इस रणनीतिक जलमार्ग से गुजरने की कोशिश कर रहे दो भारतीय जहाजों पर ईरानी बलों ने गोलीबारी की थी, जिसके बाद उन्हें वापस लौटना पड़ा था। बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय ने खबरों को फर्जी बताया।

**97,422** टन कच्चा तेल इराक से लेकर आ रहा 'देश गरिमा' भी जल्द मुंबई पोर्ट पहुंचने वाला है

### सरकार ने विमान ईंधन में एथनाल मिलाने को दी मंजूरी

सरकार ने विमानों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन एटीएफ में एथनाल और कृत्रिम हाइड्रोकार्बन के मिश्रण की अनुमति दे दी है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक, एटीएफ की परिभाषा का विस्तार कर उसमें सिंथेटिक हाइड्रोकार्बन के साथ मिश्रण को शामिल किया गया है। इस कदम का उद्देश्य उत्सर्जन में कमी लाना और कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाना है। हालांकि, फिलहाल इसके लिए कोई अनिवार्य मिश्रण लक्ष्य तय नहीं किया गया है।

**एएनआइ के अनुसार,** पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार ने एलपीजी, पीएनजी, पेट्रोल-डीजल की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। घरेलू एलपीजी की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है।

Hindustan, Meerut, 23/04/2026
Page No: 5, Size: 12.44cm × 16.30cm

# पीएनजी के लिए सरेंडर करना होगा एलपीजी का कनेक्शन

- गेल गैस लिमिटेड ने डीएम से लगाई गुहार
- पीएनजी संग एलपीजी नहीं रख सकेंगे लोग

**मेरठ, वरिष्ठ संवाददाता।** एलपीजी की किल्लत के चलते लोगों ने पीएनजी के कनेक्शन कराने शुरू कर रखे हैं, मगर उन्होंने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर नहीं किए हैं। जबकि नए नियम के तहत पीएनजी कनेक्शन लेने वालों को एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करना होगा। गेल गैस लिमिटेड प्रबंधन ने इसके लिए जिलाधिकारी से मदद करने की गुहार लगाई है।

घरेलू गैस की किल्लत के चलते लोगों ने गेल गैस लिमिटेड से पीएनजी कनेक्शन लेने शुरू कर दिए हैं। रोजाना करीब 50 कनेक्शन दिए जा रहे हैं। पिछले डेढ़ महीने में गेल गैस लिमिटेड करीब 2 हजार घरेलू पीएनजी कनेक्शन मुहैया करा चुका है। गेल गैस लिमिटेड के जीएम विनय कुमार का कहना है कि सरकार के नए नियमों के अनुसार उपभोक्ता पीएनजी और एलपीजी कनेक्शन एक साथ नहीं रख सकता है।

जिन घरों में पीएनजी आ चुकी है उन्हें अपना घरेलू एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करना अनिवार्य है। यह नियम सब्सिडी के दुरुपयोग को रोकने और गैस की दोहरी खपत खत्म करने के लिए लाया गया है। उन्होंने डीएम से पीएनजी कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं के एलपीजी कनेक्शन निरस्त कराने की अपील की है। साथ ही उन सभी लोगों से पीएनजी कनेक्शन लेने की अपील की जा रही है जिन कॉलोनियों और क्षेत्रों में पीएनजी लाइन बिछाई जा चुकी है।

DJ Rashtriya Sanskaran, Delhi, 23/04/2026
Page No: 11, Size: 22.86cm × 44.48cm

# गेल इंडिया का टैंकर 1.74 लाख टन एलएनजी लेकर अमेरिका से आ रहा भारत

- ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्य दूत ने 20 अप्रैल को 'एनर्जी फिडेलिटी' को किया था रवाना
- इराक से 97,422 टन कच्चा तेल लेकर आ रहा 'देश गरिमा' भी जल्द मुंबई पोर्ट पहुंचने वाला

गेल इंडिया का टैंकर एनर्जी फिडेलिटी। फाइल

ह्यूस्टन, प्रेट्र : सार्वजनिक क्षेत्र की प्राकृतिक गैस कंपनी गेल इंडिया लिमिटेड का एलएनजी टैंकर 'एनर्जी फिडेलिटी' अमेरिका के साबाइन पास टर्मिनल से रवाना हो गया है। यह पोत 1,74,000 टन एलएनजी लेकर आ रहा है। उधर, इराक से 97,422 टन कच्चा तेल लेकर आ रहा 'देश गरिमा' पोत भी होर्मुज स्ट्रेट को सुरक्षित पार करके जल्द मुंबई पोर्ट पर पहुंचने वाला है।

गेल ने बयान में कहा कि ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्य दूत डीसी मंजूनाथ ने एक समारोह के दौरान 20 अप्रैल को इसे रवाना किया और अब यह पोत भारत की ओर बढ़ रहा है। मंजूनाथ ने कहा– 'यह समारोह भारत-अमेरिका ऊर्जा साझेदारी के मजबूत और बढ़ते संबंध का प्रतीक है जो विश्वसनीयता, नवाचार एवं दीर्घकालिक सुरक्षा जैसी साझा प्राथमिकताओं पर आधारित है।'

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इसका रवाना होना भारत के 3टी- ट्रेड (व्यापार), टेक्नोलाजी (प्रौद्योगिकी) और टूरिज्म (पर्यटन) पर केंद्रित दृष्टिकोण के अनुरूप है जो ऊर्जा सुरक्षा के साझा लक्ष्यों एवं आपसी विश्वास पर आधारित गहराते सहयोग को दर्शाता है। कंपनी के अनुसार– 'एनर्जी फिडेलिटी' गेल के भविष्योन्मुखी शिपिंग खंड का प्रमुख हिस्सा है। अधिकतम दक्षता से तैयार किया गया यह पोत उन्नत एयर लुब्रिकेशन सिस्टम और विशेष प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है जिससे समुद्री यात्रा के दौरान कार्बन उत्सर्जन कम होता है।

## होर्मुज से अपने जहाजों की निकासी के लिए ईरान को नहीं किया भुगतान : भारत

भारत ने बुधवार को इस बात से साफ इन्कार किया कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों को सुरक्षित पार कराने के लिए उसने ईरान को नकद या क्रिप्टोकरेंसी में कोई भुगतान किया है। यह स्पष्टीकरण उस घटना के बाद आया है, जिसमें 18 अप्रैल को इस जलमार्ग से गुजरने की कोशिश कर रहे दो भारतीय जहाजों पर ईरानी बलों ने गोलीबारी की थी, जिसके बाद उन्हें लौटना पड़ा था। अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने कहा कि 'सनमार हेराल्ड' जहाज को सुरक्षित मार्ग देने के लिए चलाई जा रही खबरें फर्जी हैं।

Veer Arjun, Delhi, 23/04/2026
Page No: 11, Size: 14.61cm × 14.98cm

# गेल का एलएनजी मालवाहक पोत एनर्जी फिडेलिटी अमेरिका से रवाना

ह्यूस्टन, (भाषा)। सार्वजनिक क्षेत्र की प्राकृतिक गैस कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड का एलएनजी मालवाहक पोत एनर्जी फिडेलिटी अमेरिका के साबाइन पास टर्मिनल से रवाना हो गया है। यह 1,74,000 घन मीटर (सीबीएम) क्षमता वाला पोत 20 अप्रैल को रवाना हुआ और अब भारत की ओर जा रहा है।

गेल ने बयान में कहा कि इस समारोह की अध्यक्षता ह्यूस्टन (टेक्सास) में भारत के महावाणिज्य दूत डी. सी. मंजूनाथ ने की। मंजूनाथ ने कहा, यह समारोह भारत-अमेरिका ऊर्जा साझेदारी के मजबूत और बढ़ते संबंध का प्रतीक है जो विश्वसनीयता, नवाचार एवं दीर्घकालिक सुरक्षा जैसी साझा प्राथमिकताओं पर आधारित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इसका रवाना होना भारत के 3टी-ट्रेड (व्यापार), टेक्नोलॉजी (प्रौद्योगिकी) और टूरिज्म (पर्यटन) पर केंद्रित दृष्टिकोण के अनुरूप है जो ऊर्जा सुरक्षा के साझा लक्ष्यों एवं आपसी विश्वास पर आधारित गहराते सहयोग को दर्शाता है। कंपनी के अनुसार, एनर्जी फिडेलिटी गेल के भविष्य-उन्मुख शिपिंग खंड का प्रमुख हिस्सा है। अधिकतम दक्षता से तैयार किया गया यह पोत उन्नत एयर लुब्रिकेशन सिस्टम और विशेष प्रणोदन प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है जिससे समुद्री यात्रा के दौरान कार्बन उत्सर्जन कम होता है। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा, यह उन्नत एलएनजी पोत भारत को मजबूत एवं भविष्य के लिए तैयार ऊर्जा प्रणाली बनाने की बढ़ती क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह पोत देश की वृद्धि को समर्थन देने के लिए स्वच्छ ईंधन की स्थिर एवं विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।